

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण उत्तराखण्ड,
उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-1

देहरादून: दिनांक 24 जनवरी, 2011

विषय:-वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष में राज्य सैक्टर की योजनाओं के प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-245/1-1(102)/2010-11, दिनांक-26.07.2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में उद्यान विभाग से सम्बन्धित राज्य सैक्टर की विभिन्न चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु **रु०-35.43 लाख (रु० पैंतीस लाख तैतालीस हजार मात्र)** की धनराशि **संलग्न विवरणानुसार** व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा।
- (2) उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-187/ XXVII(1)/2010, दिनांक-30 मार्च, 2010 के द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों तथा वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत अन्य दिशा-निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- (3) धनराशि व्यय करते समय प्रक्योरमेन्ट रूल्स, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- (4) अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेंजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- (5) निर्माण कार्यों के लागत व वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्यवाही व सघन अनुश्रवण किया जायेगा एवं इस हेतु बजट मैनुअल के प्रस्तर-211(d) की अनुपालना सुनिश्चित की जायेगी तथा निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (6) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो वहाँ व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (7) व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- (8) आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी0एम0-17 में प्रत्येक माह वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय।
- (9) योजनावार व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके परिव्यय की सीमान्तर्गत वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- (10) योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।
- (11) लघु निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरों पर ही आगणन गठित करके कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- (12) आय-व्ययक में जिन योजनाओं के लिए 24-वृहत् निर्माण कार्य मद में बजट व्यवस्था प्राविधानित है, उन योजनाओं के अन्तर्गत योजना के दिशा-निर्देशानुसार वृहत् निर्माण कार्य कराये जाने के लिए शासन द्वारा अधिकृत कार्यदायी संस्थाओं के माध्यम से लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरों पर औचित्यपूर्ण

आगणन गठित कराते हुए स्वीकृति हेतु तात्कालिकता से शासन को उपलब्ध कराये जायेंगे, तथा शासन स्तर से स्वीकृत/अनुमोदित आगणनों की सीमा के अन्तर्गत ही इन योजनाओं के 24-वृहत् निर्माण मद में प्राविधानित बजट व्यवस्था के सापेक्ष व्यय की कार्यवाही की जायेगी। शासन के पूर्वानुमोदन के बिना इस मद में स्वीकृत धनराशि का व्यय न तो चालू निर्माण कार्यों और न ही नये निर्माण कार्यों के लिए किया जायेगा।

- (13) उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि विभाग के नियंत्रणाधीन सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारियों को तात्कालिकता से अवमुक्त कर दी जाय, ताकि फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
- (14) कृषि निर्यात विकास इकाई को अनुदान के अन्तर्गत स्वीकृत की जा रही धनराशि मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कृषि निर्यात विकास इकाई, देहरादून को बैंक ड्राफ्ट/चैक के माध्यम से तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी।
- (15) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00- आयोजनागत-19- बागवानी और सब्जियों की फसलें के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नाम डाला जायेगा।
- (16) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-237/वित्त अनु0-4/2010, दिनांक-10 जनवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव।

संख्या- ३५ /XVI(1)/10/7(2)/10, तददिनांक:

प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कृषि निर्यात विकास इकाई, देहरादून।
- 7- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- राज्य योजना आयोग, देहरादून, उत्तराखण्ड।
- 9- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(के०पी०पाटनी)
अनु सचिव।

शासनादेश संख्या- 75/XVI(1)/10/7(2)/10, दिनांक-24 जनवरी, 2011 का संलग्नक
(धनराशि लाख रूपयें में)

क्र० सं०	योजना का नाम/मद	आय-व्ययक प्राविधान	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3	4
	अनुदान सं० 29 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00- आयोजनागत, 119-बागवानी और सब्जियों की फसलें,		
1-	03-औद्योगिक विकास-01-अधिष्ठान		
	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	2.20	1.00
	24-बृहत् निर्माण कार्य	23.76	2.50
		25.96	3.50
	योग- 0301		
2-	0308- कृषि निर्यात विकास इकाई को अनुदान		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता	10.00	5.00
	योग:- 0308	10.00	5.00
3-	0311-उत्तराखण्ड सब बीमा योजना		
	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	5.00	2.50
	50-सब्सिडी	30.00	15.00
	योग-0311-	35.00	17.50
4-	10- मधुमक्खी पालन की योजना		
	21-छात्रवृत्तियों/ छात्रवैतन	1.50	0.75
	42-अन्य व्यय	2.00	1.00
	योग-10	3.50	1.75
5-	12-उत्तरांचल खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना/संगोष्ठी		
	44-प्रशिक्षण व्यय	2.48	1.24
	योग-12	2.48	1.24
6-	13-मशरूम उत्पादन एवं विपणन योजना		
	02-मजदूरी	3.00	1.50
	08-कार्यालय व्यय	0.55	0.28
	09-विद्युत देय	1.00	0.50
	11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	0.26	0.13
	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	2.10	0.75
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	0.45	0.23
	29-अनुरक्षण	0.50	0.25
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	5.00	2.50
	42-अन्य व्यय	0.60	0.30
	योग-13	13.46	6.44
	योग राज्य सैक्टर	90.40	35.43

(रु० पैंतीस लाख तैंतालीस हजार मात्र)

विपरीत
(के०पी० पाटनी)
अनु सचिव।